SAMPLE QUESTION PAPER - 8
Hindi A (002)
Class X (2025-26)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 10 है।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[7]**

आज से प्रायः सौ-सवा सौ साल पहले वाले किसान-संघर्षों एवं आन्दोलनों का वर्णन मिलता है। इसमें सबसे पुराना मालाबार के मोपला किसानों का विद्रोह है, जो 1836 में शुरू हुआ था। कहने वाले कहते हैं कि ये मोपले कट्टर मुसलमान होने के नाते अपना आन्दोलन धार्मिक कारणों से ही करते रहे हैं। असहयोग-युग के उनके विद्रोह के बारे में तो स्पष्ट ही यही बात कही गई है। मगर ऐसा कहने-मानने वाले अधिकारियों एवं जमींदार-मालदारों के लेखों तथा बयानों से ही यह बात सिद्ध हो जाती है कि दरअसल आर्थिक एवं सामाजिक उत्पीड़न ही इस विद्रोह के असली कारण रहे हैं और धार्मिक रंग अगर उन पर चढ़ा है तो कार्य-कारणवश ही, प्रसंगवश ही। 1920 और 1921 वाले विद्रोह को तो सबों ने, यहाँ तक कि महात्मा गांधी ने भी धार्मिक ही माना है। असहयोग युग के बाद जो भी किसान-आन्दोलन हुए हैं उन्हें संगठित रूप मिला है, यह बात सही है। संगठित से हमारा आशय सदस्यता के आधार पर बनी किसान-सभा और किसानों की पंचायत से है, जिसका कार्यालय नियमित रूप से काम करता रहता है और समय पर सभी समितियाँ होती रहती हैं। कागजी घुड़दौड़ भी चालू रहती है। यह बात पहले न थी। इसी से पूर्ववर्ती आन्दोलन असंगठित था या विद्रोहों को तत्काल सफल होने के लिए उनका किसी-न-किसी रूप में संगठित होना अनिवार्य था। 'पतिया' जारी करने का रिवाज़अत्यन्त प्राचीन है। मालूम होता है, पहले दो-चार अक्षरों या संकेतों के द्वारा ही संगठन का मंत्र फूँका जाता था। यातायात के साधनों के अभाव में उसे वर्तमान कालीन सफलता एवं विस्तार प्राप्त न होते थे।

1. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): मोपला विद्रोह केवल धार्मिक कारणों से हुआ था।

कारण (R): आर्थिक और सामाजिक उत्पीड़न मोपला विद्रोह के वास्तविक कारण थे।

विकल्प:

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. नीचे दिए गए कथनों में से सही विकल्प का चयन करें:

I. असहयोग युग के दौरान मोपला विद्रोह को महात्मा गांधी ने धार्मिक माना था।

II. 1920-1921 के बाद के किसान आंदोलनों को संगठित रूप मिला।

III. पतिया जारी करने का रिवाज किसान-आंदोलनों के संगठन का एक हिस्सा था।

IV. असहयोग युग के पूर्ववर्ती आंदोलन पूरी तरह संगठित थे।

विकल्प:

i. केवल कथन I और IV सही हैं।

ii. कथन I, II और III सही हैं।

iii. केवल कथन III और IV सही हैं।

iv. कथन II, III और IV सही हैं।

3. नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें:

कॉलम 1	**कॉलम 2**
I. मोपला विद्रोह का प्रारंभ	1. 1836
II. संगठित किसान सभा की विशेषता	2. सदस्यता आधारित समितियाँ।
III. असहयोग युग के बाद के आंदोलन	3. नियमित कार्यालय और समय पर बैठकें।

विकल्प:

i. I (1), II (2), III (3)

ii. I (2), II (3), III (1)

iii. I (3), II (1), III (2)

iv. I (1), II (3), III (2)

4. संगठित किसान आंदोलन की क्या विशेषताएँ थीं? (2)

5. पूर्ववर्ती किसान आंदोलन की असफलता के क्या कारण थे? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

अपने नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर
पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ।
तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में,
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ।
मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,
इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं।
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है।
मैं खंडहर को फिर से महल बना सकता हूँ।
जब-जब भी मैंने खंडहर आबाद किए हैं,
प्रलय-मेघ भूचाल देख मुझको शरमाए।
मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।

i. उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में किसका महत्व प्रतिपादित किया गया है? **(1)**

(क) अदम्य विश्वास का महत्व

(ख) प्रलय-मेघ भूचाल का महत्व

(ग) तूफानों-भूचालों का महत्व

(घ) मजदूर की शक्ति का महत्व

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ii. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): व्यक्ति को अपने आत्मविश्वास से खंडहर को फिर से महल में बदलने की क्षमता प्राप्त होती है।

कारण (R): व्यक्ति के अंदर अदम्य विश्वास और संघर्ष की शक्ति होती है, जिससे वह विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त कर सकता है।

विकल्प:

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

iii. काव्यांश के अनुसार, निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

I. व्यक्ति का आत्मविश्वास उसे विपरीत परिस्थितियों से उबारने की शक्ति प्रदान करता है।

II. व्यक्ति केवल अपनी सफलता की चाहत में दूसरों के अभाव को दूर करने की कोशिश करता है।

III. कवि के अनुसार, व्यक्ति के आत्मविश्वास के कारण वह खंडहरों को महल में बदलने की क्षमता रखता है।

IV. कवि का कहना है कि व्यक्ति की शक्ति को देख कर प्रलय और तूफान भी शरमाते हैं।

विकल्प:

(क) कथन I, III और IV सही हैं।

(ख) केवल कथन I और II सही हैं।

(ग) केवल कथन III और IV सही हैं।

(घ) कथन II, III और IV सही हैं।

iv. मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है, इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं। उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट करके लिखिए। **(2)**

v. अपनी शक्ति और क्षमता के प्रति उसने क्या कहकर अपना आत्म-विश्वास प्रकट किया है? **(2)**

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. **निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए-** **[4]**

i. उसने स्टेडियम जाकर क्रिकेट मैच देखा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

ii. जैसे ही बच्चे को खिलौना मिला वह चुप हो गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

iii. मन्नू जी की साहित्यिक उपलब्धियों के लिए उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

iv. जो शांति बरसती थी वह चेहरे पर स्थिर थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

v. गणेश ने साइकिल उठाई और बाज़ार चला गया।(भेद लिखिए)

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए - (1x4=4)** **[4]**

i. किसान के द्वारा खेत की जुताई की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

ii. कितने कंबल बँटे? (कर्मवाच्य में बदलिए)

iii. आओ, यहाँ बैठ सकते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

iv. सैनिकों द्वारा देश की रखवाली की जाती है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

v. दर्द के कारण वह चल नहीं सकती। (भाववाच्य में)

5. **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- (1x4=4)** **[4]**

i. पानवाला <u>नया</u> पान खा रहा था।

ii. <u>यह</u> साइकिल मेरे बड़े भाई की है।

iii. <u>माँ की</u> याद आती है।

iv. मधुर गान तो <u>सदा ही</u> सुनने को मिलते।

v. <u>वह</u> बच्चा बहुत योग्य है।

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए- (किन्हीं चार) **[4]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. इस सोते संसार के बीच
जगकर सजकर रजनी बोले
ii. बाण नहीं पहुँचे शरीर तक
शत्रु गिरे पहले ही भू पर।
iii. हिमकणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।
iv. पायो जी मैंने राम रतन धन पायो
v. सिंधु सा विस्तृत और अथाह एक निर्वासित का उत्साह।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

i. जीप के आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब का मूर्ति के बारे में सोचते रहने का कारण था-

क) देशप्रेम की भावना
ख) मूर्ति का रख-रखाव न होना
ग) कस्बे में लगी मूर्ति का सौंदर्य
घ) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना

ii. हालदार साहब ने नागरिकों के प्रयास को बताया-

क) अकल्पनीय
ख) बचकाना
ग) प्रशंसनीय
घ) उदारवादी

iii. **दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे** इस वाक्य में **उधर** शब्द किसके लिए संकेत है?

क) कस्बे के लिए
ख) उत्साही लेखक के लिए
ग) नगरपालिका के लिए
घ) चौराहे के लिए

iv. उन्होंने मूर्ति में क्या अंतर देखा?

क) मूर्ति ने शाल ओढ़ी है
ख) मूर्ति को पेंट कर दिया है
ग) मूर्ति ने कपड़े पहने हैं
घ) मूर्ति पर चश्मा बदल गया है

v. हालदार साहब जीप से कहाँ जाते थे?

क) अपनी फैक्टरी का काम देखने
ख) कस्बे में लगी मूर्ति देखने
ग) कंपनी के काम से कस्बे से आगे
घ) अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. कैसे कह सकते हैं कि बालगोबिन भगत का जीवनचरित सामाजिक रूढ़ियों की उपेक्षा करता है। - पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

ii. बिस्मिल्ला खाँ **मालिक** से कौन-सी दुआ माँगते थे? इससे उनके व्यक्तित्व का कौन-सा पहलू सामने उभरता है। **[2]**

iii. **लखनवी अंदाज़** पाठ में पाठकों के लिए क्या संदेश निहित है? **[2]**

iv. **संस्कृति** पाठ के आधार पर लिखिए कि आज के विज्ञान के विद्यार्थियों को लेखक न्यूटन के मुकाबले कहाँ देखता है। उसकी बातों से अपनी सहमति/असहमति तर्कों द्वारा साबित कीजिए। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहू न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर ।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

i. परशुराम ने लक्ष्मण के व्यवहार से कुपित होकर क्या कहा ?

क) सभी विकल्प सही हैं
ख) मुझे तुमसे ऐसे व्यवहार की उम्मीद नहीं थी
ग) बालक समझकर तुम्हें नहीं मार रहा हूँ
घ) तुम जैसे बालक मैंने बहुत देखे हैं

ii. क्षत्रियकाल द्रोही किसे कहा गया है?

क) जनक को
ख) परशुराम को
ग) लक्ष्मण को
घ) भरत को

iii. काव्यांश के आधार पर लक्ष्मण थे-

क) विनोदपूर्ण
ख) उपरोक्त दोनों (अत्यंत) क्रोधी और (मधुरभाषी)
ग) मधुरभाषी
घ) अत्यंत क्रोधी

iv. लक्ष्मण ने परशुराम से हँसकर क्या कहा?

क) आप क्यों क्रोध करते हैं
ख) शांत हो जाइए
ग) सभी विकल्प सही हैं
घ) सभी धनुष एक समान है

v. शिव धनुष टूटने में रघुपति का दोष नहीं है। किसने कहा?

क) जनक ने
ख) द्रोण ने
ग) सभी सभासदों ने
घ) लक्ष्मण ने

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

i. "घर घेर घोर गगन तथा काले धुंघराले" शब्द चित्र को 'उत्साह' कविता के आधार पर अपने शब्दों में स्पष्ट कर समझाइए।। **[2]**
ii. **फसल** कविता सामूहिक कार्य का अच्छा उदाहरण है - इस कथन पर टिप्पणी लिखिए। **[2]**
iii. **संगतकार** मुख्य गायक को किस प्रकार सँभालता है? वह गायक को किसकी याद दिलाता है? **[2]**
iv. मित्रों द्वारा प्रेरित किए जाने पर भी जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते थे? **[2]**

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[8]**

i. माता का अँचल पाठ से हमें बाल्यजीवन की कौन-सी जानकारी प्राप्त होती है? **[4]**
ii. **मैं क्यों लिखता हूँ** पाठ के संदर्भ में लिखिए कि आपके विचार से विज्ञान का दुरुपयोग कैसे हो रहा है और उससे कैसे बचा जा सकता है? **[4]**
iii. **साना-साना हाथ जोड़ि** पाठ में झिलमिलाते सितारों की रोशनी में नहाया गंतोक लेखिका को किस तरह सम्मोहित कर रहा था? **[4]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[6]**

i. **जनसंख्या नियंत्रण** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- जनसंख्या वृद्धि की समस्या
- नियंत्रण की आवश्यकता क्यों
- नियंत्रण कैसे?

ii. **परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- परीक्षा के नाम से भय
- पर्याप्त तैयारी
- प्रश्नपत्र देखकर भय दूर हुआ

iii. **विज्ञान और हमारी दिनचर्या** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

13. आप 27/6-बी, क.ख.ग. नगर के निवासी राधेश्याम/रुक्मिणी हैं। आपके मोहल्ले में बहुत से आवारा पशु घूमते रहते हैं। उनकी वजह से न सिर्फ मोहल्लेवासियों को कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है बल्कि वे पशु भी कई समस्याओं से ग्रस्त रहते हैं। नगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस समस्या की जानकारी दीजिए और उचित कदम उठाने का अनुरोध कीजिए। **[5]**

अथवा

प्रातः काल भ्रमण के लिए नियमित रूप से जाने की सलाह देते हुए अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए।

14. सुविधा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा० लिमिटेड जालंधर पंजाब को मार्केटिंग एक्जक्यूटिव पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों को अंधाधुंध काटा जा रहा है। इसकी शिकायत करते हुए अपने जिले के वन-निरीक्षक को pccfgnctd@gmail.com एक ईमेल लिखिए।

15. मंडी हाउस नई दिल्ली मे उभरते चित्रकारों की चित्र प्रदर्शनी के लिए दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हुए 25-50 शब्दो मे एक विज्ञापन तैयार कीजिए | **[4]**

अथवा

आपका मित्र ओजस्वी पहली बार एक नाट्य प्रस्तुति में भाग ले रहा है। उसके लिए शुभकामना संदेश 30-40 शब्दों में भेजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क - अपठित बोध

1. 1. i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
   2. ii. कथन I, II और III सही हैं।
   3. i. I (1), II (2), III (3)
   4. संगठित किसान आंदोलन सदस्यता के आधार पर बनी किसान सभा और किसानों की पंचायत द्वारा किए गए जिनका कार्यालय नियमित रूप से काम करता है।
   5. पूर्ववर्ती किसान आंदोलन असंगठित होने के कारण असफल हो गए। जो आंदोलन (या विद्रोह) असंगठित किसानों द्वारा किए गए वे तत्काल दबा दिए गए।
2. i. (घ) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में मजदूर की शक्ति का महत्व प्रतिपादित किया गया है।
   ii. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   iii. (क) कथन I, III और IV सही हैं।
   iv. इसका अर्थ यह है कि 'मैं सर्वनाम शब्द श्रमिक वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहा है। कवि कहना चाहता है कि मजदूर वर्ग में संसार के सभी क्रियाशील प्राणी आ जाते हैं।
   v. मज़दूर ने कहा है कि वह खंडहर को भी आबाद कर सकता है। उसकी शक्ति के सामने भूचाल, प्रलय व बादल भी झुक जाते हैं।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. वह स्टेडियम गया और क्रिकेट मैच देखा।
   ii. बच्चे को खिलौना मिलते ही वह चुप हो गया।
   iii. मन्नू जी की जो साहित्यिक उपलब्धियां हैं, उनके लिए अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।
   iv. **आश्रित उपवाक्य:** "जो शांति बरसती थी"
   भेद: विशेषण उपवाक्य (विशेषण की तरह वाक्य के किसी अंग की विशेषता बताता है)
   v. संयुक्त वाक्य,
4. i. किसान ने खेत की जुताई की।
   ii. कितने कंबल बाँटे गये?
   iii. आओ, यहाँ बैठा जा सकता है।
   iv. सैनिक देश की रखवाली करते हैं।
   v. दर्द के कारण उससे चला नहीं जाता।
5. i. नया: विशेषण, गुणवाचक, 'पान' विशेष्य का विशेषण
   ii. यह: सर्वनाम, निश्चयवाचक, एकवचन, कर्ता कारक
   iii. माँ की : संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक
   iv. सदा ही : अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'सुनने' क्रिया के काल का सूचक, ही निपात
   v. **वह** - सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, 'बच्चा' विशेष्य.
   सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन,' बच्चा' विशेष्य।
6. i. मानवीकरण अलंकार
   ii. अतिशयोक्ति अलंकार
   iii. उत्प्रेक्षा अलंकार
   iv. रूपक अलंकार
   v. रूपक अलंकार

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

(i) **(क)** देशप्रेम की भावना
व्याख्या:
देशप्रेम की भावना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **(ग)** प्रशंसनीय
व्याख्या:
प्रशंसनीय

(iii) **(क)** कस्बे के लिए
व्याख्या:
कस्बे के लिए

(iv) **(घ)** मूर्ति पर चश्मा बदल गया है
व्याख्या:
मूर्ति पर चश्मा बदल गया है

(v) **(ग)** कंपनी के काम से कस्बे से आगे
व्याख्या:
कंपनी के काम से कस्बे से आगे

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) बालगोबिन भगत का जीवनचरित सामाजिक रूढ़ियों की उपेक्षा करने का उदाहरण उनके कार्यों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। उनके जीवन की कुछ प्रमुख घटनाएँ इस बात को प्रमाणित करती हैं:

1. **पतोहू से अंतिम संस्कार करवाना:** बालगोबिन भगत ने पारंपरिक समाज के खिलाफ जाकर अपनी पत्नी के निधन के बाद पतोहू से अंतिम संस्कार करवाया।
2. **पतोहू को पुनर्विवाह का आदेश देना:** बालगोबिन भगत ने अपनी पतोहू को पुनर्विवाह करने का आदेश दिया, जो उस समय की सामाजिक मान्यताओं के खिलाफ था। भारतीय समाज में विधवा महिलाओं के पुनर्विवाह को लेकर कई धारणाएँ थीं, और यह कदम भी एक असामान्य और विवादित निर्णय था।

इन घटनाओं के माध्यम से यह कहा जा सकता है कि बालगोबिन भगत का जीवनचरित समाज की स्थापित रूढ़ियों और मान्यताओं की उपेक्षा करता है और एक नई सोच और दृष्टिकोण को प्रस्तुत करता है।

(ii) बिस्मिल्ला खाँ एक समर्पित कलाकार थे, जो अपनी संगीत कला के प्रति पूरी निष्ठा से जुटे थे। वे मालिक, अर्थात् खुदा से सच्चे सुर की नेमत माँगते थे। उन्हें अपनी संगीत कला को समर्पित रखने के लिए यह करना ज़रूरी था। बिस्मिल्ला खाँ की इबादत विशेष रूप से सच्चे सुर के माध्यम से होती थी, और वे इसे मालिक के सामने झुककर प्रदर्शित करते थे। इससे उनकी विनम्रता, आदर और सीखने की ललक जैसी व्यक्तित्व की विशेषताएँ प्रकट होती थीं। वे खुदा के आगे अपने संगीत कला के माध्यम से भक्ति और समर्पण का संदेश पहुँचाते थे।

(iii)लखनवी अंदाज़' पाठ में पाठकों के लिए ये सन्देश निहित है कि हमें अपना दृष्टिकोण व्यावहारिक और विस्तृत रखना चाहिए और दिखावे से दूर रहना चाहिए। साथ ही हमें वर्तमान के कठोर यथार्थ का सामना करना चाहिए तथा काल्पनिकता को छोड़कर वास्तविकता को अपनाना चाहिए तथा अपना आचरण भी ऐसा ही रखना चाहिए।

(iv)लेखक आज के विज्ञान के विद्यार्थियों को न्यूटन के मुकाबले अधिक व्यापक दृष्टिकोण वाले और बहुआयामी खोजकर्ताओं के रूप में देखता है। उनका कहना है कि आज के विद्यार्थी न केवल सिद्धांतों को समझते हैं, बल्कि उन्हें समाज की जरूरतों के अनुसार अनुकूलित भी करते हैं। मैं सहमत हूँ, क्योंकि आधुनिक विज्ञान में नई चुनौतियों का सामना करना और समाधान ढूंढना आवश्यक है। आज के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिससे वे वैश्विक समस्याओं का समाधान निकालने में सक्षम हैं, जो न्यूटन के समय की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहू न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा परसु बिलोकु महीपकुमारा।।
मातु पितहि जनि सोचबस करसि महीसकिसोर ।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।

(i) **(ग)** बालक समझकर तुम्हें नहीं मार रहा हूँ
व्याख्या:
बालक समझकर तुम्हें नहीं मार रहा हूँ

(ii) **(ख)** परशुराम को
व्याख्या:
परशुराम को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) **(घ)** अत्यंत क्रोधी
व्याख्या:
अत्यंत क्रोधी

(iv) **(घ)** सभी धनुष एक समान है
व्याख्या:
सभी धनुष एक समान है

(v) **(घ)** लक्ष्मण ने
व्याख्या:
लक्ष्मण ने

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:

(i) बादल काले और घुँघराले हैं | वे भयानक गर्जना करते हुए बरसते हैं | गर्जना करते समय वे पूरे आकाश को घेर लेते हैं | काले और घुँघराले बादल देखने में कवि को बहुत सुन्दर लग रहे हैं |

(ii) "फसल" कविता सामूहिक कार्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण है क्योंकि इसमें फसल के सृजन के लिए विभिन्न तत्वों के एक साथ काम करने की आवश्यकता को दर्शाया गया है। लाखों लोगों के हाथों का स्पर्श, ढेर सारी नदियों के पानी का जादू, हजारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म, सूर्य की किरणों का रूपांतरण, और हवा की थिरकन सभी मिलकर फसल की उन्नति और समृद्धि में योगदान करते हैं। इन सभी तत्वों का सामूहिक प्रयास ही फसल की सफलता और उत्पादकता को सुनिश्चित करता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कृषि में सामूहिक कार्य का कितना महत्वपूर्ण स्थान है।

(iii)जब मुख्य गायक अनहद की जटिल तानों में खो जाता है, तब संगतकार मुख्य गायक के सुर में सुर मिलाकर और स्थायी पंक्ति को गाकर उसे संभालता है। ऐसा करके वह मुख्य गायक को उसका बचपन याद दिलाता है, जब वह नौसिखिया था।

(iv)जयशंकर प्रसाद अपने मित्रों द्वारा प्रेरित किए जाने के बावजूद आत्मकथा नहीं लिखना चाहते थे क्योंकि वे अपने निजी जीवन को सार्वजनिक न करने की इच्छा रखते थे। उनका मानना था कि उनके जीवन में कुछ विशेष नहीं है जिसे लिखा जाए और उन्हें अपने जीवन की दुर्बलताओं और प्रवंचनाओं को सार्वजनिक रूप से उजागर करने की इच्छा नहीं थी। उन्हें यह भी भय था कि इस तरह की आत्मकथा से वे हँसी का पात्र बन सकते हैं या दूसरों द्वारा उनकी निजी समस्याओं का लाभ उठाया जा सकता है।

खंड ग - कृतिका (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) 'माता का अँचल' पाठ से पता चलता है कि बाल्यजीवन में बच्चों का मन कोमल होता है उनके मन में दूसरों के प्रति कोई भेदभाव नहीं होता। उनके बीच में किसी प्रकार का कोई जातिगत भेदभाव नहीं होता | वे इन सबसे ऊपर उठकर मिलकर खेल रचते हैं और सब साथ-साथ खेलते हैं। किसी भी प्रकार की द्वेष भावना से वे कोसों दूर होते हैं | सभी धर्मों के बच्चे मिलकर खेलते हैं। यदि वे दुखी या भयभीत होते हैं तो रोकर या चिल्लाकर व्यक्त कर देते हैं। प्रसन्नता के भाव को वे खिलखिलाकर व हँसकर व्यक्त कर देते हैं। उसी प्रकार रोते-रोते खुश हो जाना तथा तुरंत खेल में लग जाना बच्चों का विचित्र स्वभाव होता है | उनके मन में किसी के लिए कभी बदले की भावना नहीं होती। वे सदा निश्चिन्त रहते हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि बचपन में बच्चों के मन पर तनाव या किसी प्रकार का कोई बोझ नहीं होता। वे बीती बातों को याद करके दुखी नहीं होते। उनके सामने जो भी उनकी रूचि के अनुकूल खेल या प्रसंग आता है वे उसी में लीन रहते हैं। वे अपने मित्रों के साथ प्रसन्न रहते हैं |

(ii) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ में विज्ञान के दुरुपयोग की चर्चा की गई है, जिसमें हिरोशिमा के विस्फोट का उदाहरण दिया गया है। रेडियोधर्मी पदार्थ की किरणों ने वहाँ के पत्थर को भी प्रभावित किया था, और इससे लोगों को भाप बनकर उड़ जाना पड़ा। विश्व में आज आतंकवादी लोग कहीं भी विस्फोट कर सकते हैं। हम अनावश्यक वैज्ञानिक खोज और उत्पादन को रोककर विज्ञान के दुरुपयोग को कम कर सकते हैं।

(iii)गंतोक में रात्रि के समय लेखिका को ऐसा प्रतीत हुआ कि आसमान में टिमटिमाते तारे नीचे धरती पर मानो दूर ढलान लेती तराई पर जगमगाती रोशनी की एक झालर-सी बना रहे थे।रात के अन्धकार में सितारों से झिलमिलाता गंतोक लेखिका को जादुई एहसास करा रहा था। जादू के इस सम्मोहन में मानो उसकाअस्तित्व स्थगित सा हो गया हो, सब कुछ अर्थहीन सा था। उसकी चेतना शून्यता को प्राप्त कर रही थी। वह सुख की अतींद्रियता में डूबी हुई उस जादुई उजाले में नहा रही थी जो उसे आत्मिक सुख प्रदान कर रही थी।लेखिका प्रकृति के उस सौन्दर्य में डूब जाना चाहती थी।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन होती है, पर जब यह एक सीमा से अधिक हो जाती है तब यह समस्या का रूप ले लेती है। जनसंख्या वृद्धि एक ओर स्वयं समस्या है तो दूसरी ओर यह अनेक समस्याओं की जननी भी है। यह परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति पर बुरा असर डालती है। जनसंख्या वृद्धि के साथ देश के विकास की स्थिति &ढाक के तीन पात वाली बनकर रह जाती है। प्रकृति ने लोगों के लिए भूमि, वन आदि जो संसाधन प्रदान किए है, जनाधिक्य के कारण वे कम पड़ने लगते है तब मनुष्य प्राकृतिक असंतुलन का खतरा पैदा होता है जिससे नाना प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होती है। भारत को बढ़ती आबादी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया की करीब 17% आबादी भारत में रहती है जिससे यह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है। जनसंख्या वृद्धि के लिए हम भारतीय की सोच काफी हद तक जिम्मेदार है। यहाँ की पुरूष प्रधान सोच के कारण घर में पुत्र जन्म आवश्यक माना जाता है। भले ही एक पुत्र की चाहत में छह, सात लडकियाँ क्यों न पैदा हो जाएँ पर पुत्र के बिना न तो लोग अपना जन्म सार्थक मानते हैं और न ही उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती दिखती है। इसके अलावा अशिक्षा, गरीबी और मनोरंजन के साधनों का अभाव भी जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है। जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए लोगों का इसके दुष्परिणामों से अवगत कराकर जन जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। और सरकार द्वारा परिवार नियोजन के साधनों का मुफ्त वितरण किया जाना चाहिए तथा जनसंख्या वृद्धि को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) परीक्षा का समय विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। उनके परिश्रम की सफलता परीक्षा के परिणाम पर निर्भर करती है इसीलिए विद्यार्थियों पर उसका दबाव बढ़ जाता है। मेरी वार्षिक परीक्षा से पूर्व मेरी भी कुछ ऐसी ही मनोदशा थी। इस समय खेलकूद, टी.वी. और मनोरंजन को छोड़कर मेरा पूरा ध्यान केवल पढ़ाई पर केंद्रित था। मेरे माता-पिता भी इसमें मेरा पूरा सहयोग कर रहे थे। यद्यपि मेरी सभी विषयों की तैयारी बहुत अच्छी थी फिर भी मन में आशंका रहती थी कि कोई प्रश्न ऐसा न हो जिसे मैं हल न कर सकूँ। इसीलिए प्रथम परीक्षा के दिन मैंने अपने सहपाठियों से भी अधिक बात नहीं की। परीक्षा कक्ष में पहुँचकर मैंने ईश्वर का स्मरण करके अपने मन को एकाग्र किया। प्रश्न-पत्र हाथ में आते ही मेरा दिल तेजी से धकड़ने लगा पर उसे देखते ही में खुशी से झूम उठी क्योंकि सभी प्रश्न मुझे बहुत अच्छी तरह आते थे। मैंने अपना प्रश्न-पत्र निर्धारित समय में बहुत अच्छी तरह हल किया।

(iii) आज यदि हम अपने को विज्ञान से अलग करके देखें तो शायद हमारा कोई अस्तित्व ही नहीं रहेगा। वैज्ञानिक उन्नति के कारण ही हमारी दिनचर्या इतनी सहज हो गई है कि कितने ही काम मिनटों में निपट जाते हैं। लिखना, पढ़ना, खाना-पीना यहाँ तक कि सोना भी विज्ञान पर निर्भर करता है। कागज-कलम, टोस्टर, फ्रिज, गैस, पंखा, कूलर, हीटर सभी तो विज्ञान की ही देन हैं। संचार, यातायात के साधन, टेलीविज़न, इंटरनेट ने तो हमारी दूरियाँ ही समाप्त कर दी हैं। घर बैठे ही सबकी खोज-खबर ले लो। जहाँ दृष्टि डालो विज्ञान ही विज्ञान है। चिकित्सा के क्षेत्र में तो इसकी उन्नति के क्या कहने? बस आत्मा को छोड़कर सब कुछ तैयार किया जा सकता है, अदला-बदला जा सकता है। आज अनेक व्यक्ति अंग-प्रत्यारोपण से जीवन-दान पा रहे हैं। विज्ञान हमारे लिये वरदान है, पर हर चीज में अच्छाई के साथ-साथ कुछ बुराई भी होती है। विज्ञान का दुरुपयोग होने लगा है। विभिन्न अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण और रासायनिक बमों के प्रयोग का भय विश्व में बना हुआ है। मानव को प्रकृति के महत्व को समझकर विज्ञान का सदुपयोग करना चाहिए और उसकी विनाशक शक्ति से बचना चाहिए यह तभी संभव है जब हम विज्ञान की शक्ति का दुरुपयोग न करें।

13.

दिनांक: 20 अप्रैल, 20XX
सेवा में,
गोकुलधाम सोसायटी,
गोविंद नगर, दिल्ली।

विषय: मोहल्ले में आवारा पशुओं की वजह से हमारे मोहल्लेवासियों को तकलीफें हो रही हैं, इस समस्या का समाधान हेतु पत्र।

प्रिय नगरपालिका अध्यक्ष जी,

नमस्ते। मैं आपको यहाँ से एक गंभीर समस्या के बारे में सूचित करना चाहता हूँ जिससे हमारे मोहल्ले में बहुत से आवारा पशु बड़े संकट का सामना कर रहे हैं। इन पशुओं की वजह से हमारे निवासियों को तकलीफें हो रही हैं और उनके साथ ही ये पशु भी समस्याओं में फंसे हुए हैं।

यह समस्या समाधान के लिए हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप उचित कदम उठाएं जैसे कि पशुओं के लिए एक अलग स्थान प्रदान करना, उनके आहार और स्वास्थ्य की देखभाल के लिए उपायों का आयोजन करना आदि। इससे हमारे मोहल्ले के निवासियों और पशुओं दोनों की समस्याएं कम हो सकेंगी।

कृपया इस समस्या का समाधान निकालने के लिए आवश्यक कदम उठाने का प्रयास करें। हम आपकी सकारात्मक सहयोग की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

धन्यवाद,
राथेश्याम/रुक्मिणी
27/6-बी, क.ख.ग. नगर

अथवा

275/4,
गोविन्द अपार्टमेन्ट
साकेत पार्क, दिल्ली।
28 फरवरी, 2019

प्रिय अनुजा,
शुभाशीर्वाद।

मैं यहाँ सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि तुम भी स्वस्थ एवं सकुशल होगी। पिछले सप्ताह पिता जी के पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम प्रातःकाल देर से उठती हो। हो सकता है कि तुम देर रात तक जागकर पढ़ाई करती हो। यह भी पता चला कि तुम्हारा स्वास्थ्य भी कुछ खराब सा रहता है। इसके लिए मैं तुम्हें सीधा एवं सरल उपाय बताता हूँ-प्रातःकाल का भ्रमण, जिसके लिए कोई पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं होती है।

प्रातःकाल पूर्व में सूर्योदय की लालिमा मन को अच्छी लगती है। इस समय मंद-मंद बहती शीतल पवन सारा आलस्य हर लेती है। पक्षियों का कलरव हमारी नींद भगा देता है। ओसयुक्त घास पर चलने से मन प्रसन्न होता है तथा हमारे नेत्रों की ज्योति बढ़ती है। खिले-खिले फूल हमें उल्लास एवं स्फूर्ति से भर देते हैं। प्राचीन काल में ऋषियों-मुनियों के स्वस्थ एवं दीर्घायु होने का रहस्य उनका ब्रह्ममुहूर्त में उठकर भ्रमण करना था। जो व्यक्ति नियमित प्रातःकाल भ्रमण करता है, वह स्वस्थ, बलवान तथा बुद्धिमान बनता है। आशा है कि अब से तुम भी प्रातःकाल नियमित रूप से भ्रमण करोगी।

पूज्य माता एवं पिता जी को चरण स्पर्श कहना। शेष सब ठीक है। पत्रोत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारा अग्रज,
गौतम सिंह

14. प्रति,
प्रबंधक
सुविधा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा० लिमिटेड
जालधर पंजाब।

विषय- मार्केटिंग एक्जक्यूटिव पद के लिए आवेदन-पत्र।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

महोदय,
चंडीगढ़ से प्रकाशित दिनांक 05 मई, 20xx के पंजाब केसरी समाचार-पत्र से ज्ञात हुआ कि सुविधा इलेक्ट्रॉनिक्स को कुछ मार्केटिंग एक्जक्यूटिव की आवश्यकता है स्वयं को इस पद के योग्य समझते हुए मैं अपना आवेदन-पत्र प्रेषित कर रहा हूँ। मेरा संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-
नाम - गौरव सैनी
पिता का नाम - श्री सौरभ सिंह सैनी
जन्मतिथि - 10 जुलाई, 1992
पता - बी/25, राजा गार्डन, दिल्ली।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2006	62%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०	2008	73%
बी.बी.ए.	पंजाब टेक्नीकल विश्वविद्यालय	2011	70%
एम.बी.ए.	पंजाब विश्वविद्यालय	2013	73%

अनुभव- फेना डिटर्जेंट कंपनी में एक वर्ष का अनुभव।
आशा है कि आप सेवा का अवसर प्रदान कर कृतार्थ करेंगे।
धन्यवाद
गौरव सैनी
हस्ताक्षर .....
संलग्न- शैक्षणिक तथा प्रशिक्षण संबंधी प्रपत्रों की छाया प्रति।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: pccfgnctd@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - वृक्षों की अवैध कटाई के संबंध में
महोदय,
मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले वैशाली नगर की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इस मोहल्ले से कुछ दूरी पर हरा-भरा बाग था। बाग के पास से एक कच्चा रास्ता आगे जाकर मुख्य सड़क पर मिलता था। इसी रास्ते को चौड़ा करने के नाम पर इस बाग तथा आसपास के क्षेत्रों में उन हरे-भरे पेड़ों को काटा जा रहा है जो कि यहाँ के पर्यावरण के लिए घातक है। इन पेड़ों को न काटा जाता तब भी पर्याप्त चौड़ी सड़क बन जाती, किंतु कुछ ठेकेदार किस्म के लोग इन पेड़ों के दुश्मन बने हुए हैं।
आपसे विनम्र प्रार्थना है कि पेड़ों की अनियंत्रित कटाई रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने की कृपा करें। हम क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।
पवन

15.

चित्र प्रदर्शनी

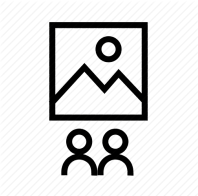

उभरते चित्रकारों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है।
इच्छुक व्यक्ति प्रदर्शनी में अपने पसंदीदा चित्र आकर्षक कीमत पर खरीद भी सकते हैं।
नोट :- आपकी उपस्थिति कलाकारों की हौसला अफजाई करेगी।
स्थान- मंडी हाउस, नई दिल्ली में
दिनांक - 17 जनवरी से 19 जनवरी, 2019 तक
समय - प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक

अथवा

नाट्य प्रस्तुति

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

23 जून, 2023
प्रातः 6 बजे
प्रिय मित्र ओजस्वी,तुम्हारे नाट्य प्रस्तुति में शानदार देवरूप का प्रदर्शन होने जा रहा है। तुम्हारी प्रतिभा और उत्साह हमेशा प्रभावशाली होते हैं। तुम नए मायनों में चमको और सदैव उज्ज्वल रहो। बेहतरीन प्रदर्शन और आनंद के लिए शुभकामनाएँ!
तुम्हारा मित्र
रवि

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in